सारांशात्मक मूल्यांकन - I

नमूना प्रश्न - पत्र

विषय : हिंदी **अंक : 80**

कक्षा : नवीं **समय : 3 घंटे**

I. अ) नीचे दिए गए गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5x1=5

बच्चे ओस की बूँदों की तरह शुद्ध और पवित्र होते हैं। वे कल के नागरिक हैं। आजकल प्रयाः घर-घर में 'टॉपर्स' और 'रैंकर्स' तैयार करने की कोशिश की जा रही है। आठ वर्षीय ईशान अवस्थी (दर्शाल सफ़ारी) का मन पढ़ाई के बजाय कुत्तों, मछलियों और पेंटिंग में लगता है।

1. बच्चे किस की तरह होते हैं?
2. बच्चे कल के क्या है?
3. आजकल घर में किसे तैयार करने की कोशिश की जा रही है।
4. ईशान का मन किसमें लगता था?
5. ''नागरिक'' शब्द का प्रत्यय बताइए?

आ) नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 5x1=5

साहित्य, कला, नृत्य, गीत आमोद-प्रमोद अनेक रूपों में राष्ट्रीय जन अपने-अपने मानसिक भावों को प्रकट करते हैं। आत्मा का जो विश्वव्यापी आनंद भाव है वह इन विविध रूपों में साकार होता है।

1. राष्ट्रीय जन किन भावों को प्रकट करते हैं?
2. राष्ट्रीय जन अपने मानसिक भावों को किन-किन रूपों में प्रकट करते हैं?
3. आत्मा का विश्वव्यापी भाव क्या है?
4. आत्म का विश्वव्यापी भाव किन-किन रूपों में प्रकट होता है?
5. ''साकार'' शब्द का विलोम लिखिए?

इ) नीचे दिए गए पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 5x1=5

मैंने हँसना सीखा है, मैं नहीं जानती रोना।
बरसा करता पल पल पर मेरे जीवन में सोना।
मैं अब तक जान न पाई कैसी होती है पीडा?
हँस हँस जीवन में कैसे करती हैं चिंता क्रीडा?

1. मैने .... सीखा है।

अ) हँसना आ) रोना इ) खोना ई) होना

2. कवयित्री के जीवन में क्या बरसता है ....

अ) सोना आ) चाँदी इ) हीरा ई) ये सभी

3. ''हँसना'' शब्द का विलोम।

अ) खेलना आ) दौडना इ) रोना ई) यह सभी

4. कवयित्री क्या नहीं जान पाई?

अ) मोड़ा आ) घोडा इ) सोडा ई) पीडा

5. हंस हंस कर जीवन में .... करती है।

अ) चिंता क्रीडा आ) मधुक्रीडा

इ) सुधा क्रीडा ई) यह सभी

ई) नीचे दिए गए पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 5x1=5

नित्य वेद पाठ, नित्य जप करें
नित्य-गंगा धार में तिरे तरे
प्रेम जो न तो मनुज अशुद्ध है,
प्रेम तो सदैव ही समृद्ध है।

1. ''नित्य'' का अर्थ बताइए?

अ) हमेशा आ) हर दिन इ) नित्य दिन ई) इनमें से कुछ भी नहीं

2. मानव नित्य क्या करता है?

अ) पुण्य आ) पाप इ) धाप ई) यह सभी

3. समृदधता कैसे प्राप्त होगी?

अ) समृद्ध व्यवहार आ) नित्य व्यवहार

इ) व्यवहार पूर्ण ई) प्रेम पूर्ण व्यवहार

4. ''अशुद्ध'' शब्द का विलोम लिखिए

अ) शुद्ध आ) शुद्धता इ) शुद्धपूर्ण ई) यह सभी

5. ''सदैव'' शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए?

अ) सद + इव आ) सदा + एव

इ) सदइ + व ई) सत् + एव

II. अभिव्यक्ति सृजनात्मकता 4 x 3 = 12

अ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर 2 या 3 पंक्तियों में लिखिए।

1. जीवन में हँसने का क्या महत्व है?
2. कवि के अनुसार तरंगें हमें क्या संदेश देती है?
3. वस्तु की प्रमाणिकता से आप क्या समझते हैं?
4. अंतरिक्ष का अर्थ बताते हुए अंतरिक्ष यात्रियों के नाम बताइए?

आ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर 5 या 6 पंक्तियों में लिखिए। 3 x 6 = 18

1. हमारे जीवन अतिथि का क्या महत्व है? अपने विचार बताइए।

   या

   हमें कैसे प्रयत्नों से सफलता मिल सकती है?
2. युधिष्ठिर की जगह तुम होते तो किसे जीवित करवाना चाहते और क्यों?

   या

   सुनीता विलियम्स भावी नागरिकों को क्या संदेश देती है।
3. सोहन लाल द्विवेदी का साहित्यिक परिचय दीजिए।

   या

   कबीरदास जी का साहित्यिक परिचय दीजिए।

इ) ग्रामीण जीवन के सौंदर्य के बारे में अपने विचार लिखिए?

या

सीखने से संबंधित कोई एक कविता लिखिए।

ई) तीन दिन की छुट्टी मांगते हुए अपने प्रधान-अध्यापक के नाम पत्र लिखिए।

या

अपने मित्र को पोंगल की छुट्टियाँ में आने का आमंत्रण देते हुए पत्र लिखिए।

III. व्याकरणांश

अ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से पहचानिए। 20 x 1 = 20

1. हमारे भारत में <u>हिंसा</u> प्रवृत्ति बढ़ रही है। (विलोम शब्द)

   अ) दुहिंसा आ) सहिंसा इ) अहिंसा ई) यह सभी
2. नानी हमें रोज़ नई <u>कहानी</u> सुनाती है। (वचन बदलकर)

   अ) कहानियाँ आ) कहाने इ) कहीने ई) कहानियी
3. ‘अभि’ उपसर्ग लगाकर एक शब्द बनाइए?

   अ) अनु आ) मान ई) नाम ई) यह सभी

4. मानव जीवन <u>सुख-दुख</u> का संगम है।

अ) सुख व दुख आ) सुख-सुख

इ) सुख और दुख ई) दुख - दुख

5. 'आसमान' शब्द का अर्थ लिखिए।

अ) गगन आ) विहंग इ) खग ई) पवन

6. दार्शनिक शब्द का प्रत्यय चुनिए।

अ) एक आ) इक इ) दार्श ई) यह सभी

7. 'वयोवृद्‌ध' संधि-विच्छेद कीजिए।

अ) वय + अवृद्‌ध आ) व + योवृद्‌ध

इ) वयव + ऋद्‌ध ई) वयः + वृद्‌ध

8. 'चोली दामन का साथ' मुहावरे का अर्थ क्या है?

अ) घनिष्ठ संबंध होना आ) रक्षित स्थल होना

इ) दामन का साथ ई) प्रकाशित होना

9. <u>बादल</u> बरसते है (रेखांकित शब्द का पद-परिचय दीजिए।)

अ) सर्वनाम आ) संज्ञा इ) क्रिया ई) विशेषण

10. 'आ' उपसर्ग जोड़कर एक नया शब्द बनाइए।

अ) जन्म आ) मृत्यु इ) नवीन ई) आज

11. बूढा (भाववाचक संज्ञा में बदलिए)

अ) बूढ़ाना आ) बुढ़ापा इ) बूढावा ई) यह सभी

12. हमारे पूर्वजो ने हमें स्वच्छ .... स्वस्थ ग्रह दिए।

(सम्मुच्य बोधकों से रिक्त स्थान भरिए।)

अ) बल्कि आ) के इ) और ई) पास

13. यहाँ अनेक धर्मों व जातियों .... लोग रहते हैं।

(उचित कारक चिह्नों से भरिए।)

अ) के आ) को इ) कै ई) का

14. सुनीता विलियम्स देश का नाम ऊँचा .... हैं।

अ) करतो आ) करती इ) करते ई) यह सभी

15. .... मुझे अच्छे अंक मिले।

(रिक्त स्थान की पूर्ति उचित अव्ययों से कीजिए)

अ) वाह! आ) ओह! इ) अरे! ई) इनमें से कुछ भी नहीं

16. फुटबाल अच्छा खेल है। (इसमें प्रश्नवाचक में बदलिए।)
    अ) फुटबाल अच्छा खेल है क्या?
    आ) क्या फुटबाल अच्छा है?
    इ) फुटबाल कैसा खेल है?
    ई) इनमें से कुछ भी नहीं
17. सेवकों ने लड़की .... पूछा (कारक द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)
    अ) ने   आ) से   इ) में   ई) को
18. हम सब मेले में जायेंगे। (नकारात्मक रूप में बदलिए।)
    अ) हम सब मेले में जायेंगे नहीं।
    आ) हम सब मेले में नहीं जायेंगें।
    इ) नही हम सब मेले में जायेंगे।
    ई) यह सभी
19. ''जो उपासना करने वाला'' शब्द समूह लिखिए।
    अ) उपासना करनेवाला   आ) भक्त
    इ) उपासक   ई) यह सभी
20. अपनी गलती पर अफसोस .... कीजिए।
    अ) मत   आ) मात   इ) तम   ई) नहीं

सारांशात्मक मूल्यांकन - I
नमूना उत्तर पुस्तिका

विषय : हिंदी **अंक : 80**
कक्षा : नवीं **समय : 3 घंटे**

I. **अ)** 1. बच्चे ओस की बूँद की तरह शुद्ध होते है।
2. बच्चे कल के नागरिक है।
3. आजकल प्रायः घर घर में 'टॉपर्स' और 'रैंकर्स' तैयार करने की कोशिश की जा रहीं है।
4. ईशान का मन पढ़ाई के बज़ाय कुत्तों, मछलियों और पैंटिंग में लगता था।
5. नगर + ईक

आ) 1. राष्ट्रीय जन अपने मानसिक भावों को प्रकट करते हैं।
2. साहित्य कला नृत्य, गीत आमोद-प्रमोद के रूपों में प्रकट करते हैं।
3. आत्मा का विश्वव्यापी भाव आनंद है।
4. आत्म का विश्वव्यापी भाव विविध रूपों में साकार होता है।
5. ''निराकार''

इ) 1. अ) हंसना
2. आ) जीवन
3. इ) रोना
4. ई) पीडा
5. अ) चिंता क्रीडा

ई) 1. अ) हमेशा
2. अ) पुण्य
3. ई) प्रेम पूर्ण व्यवहार
4. अ) शुद्ध
5. आ) सदा + एव

II. अभिव्यक्ति सृजनात्मकता

अ) 1. मानव जीवन में सुख-दुख दोनों रहते हैं। मानव सुखमय जीवन ही बिताना चाहता है। हँसते रहने वाले का दिल स्वच्छ और शांत रहता है। हँसते बोलनेवाले के सभी मित्र बनते है। सबसे हँसते प्रेमपूर्वक बरताव करने से मानव सुखी बन सकता है। चाहे कितना भी कष्ट का सामना करना पडे दिल को तसल्ली पहुँचाने हँसते रहना और हँसते बोलना है। इससे मानसिक शांति मिलती है।

2. समुद्र के चंचल तरंग उठ-उठकर गिरती है वे कहना चाहती है कि तुम भी उनके जैसे अपने दिल में मीठी और कोमल आशाएँ भर लो। क्योंकि आशा को सफल बनाने के प्रयत्न जरूर करते हो। हर काम करने का उत्साह उमड़ता रहता है।

3. लोगों को विनियम के लिए वस्तुएँ बनायी व तैयार की जाती है। ऐसी वस्तुएँ कुछ प्रमाणिक तथ्यों और सिद्धांतों के आधार पर ही बनायी जाती है। एक जागरूक उपभोक्ता होने के नाते किसी चीज़ को खरीदते है तब हम उस चीज़ की प्रमाणिकता सिद्ध करनेवाले विषयों पर जरूर ध्यान देना चाहिए। उस वस्तु के बनाने ''इस्तेमाल किएगए पदार्थ उनकी माप-तोल उसके लाभ उपयोग वजन आदि से वस्तु की प्रामाणिकता का परिचय मिलता है। सरकार ने आई.एस.आई., अगमार्क आदि चिह्नवाले चीज़े ही खरीदने की सलाह देती है। सरकार जाँच-पडताल के बाद ही प्रामाणिक चिह्न अंकित करने की अनुमति देती है।

4. पृथ्वी और सूर्य आदि लोकों के बीच के स्थान को अंतरिक्ष के बारे में जानने की कोशिश में रहा है। इसी आशय की सिद्धि के लिए समय-समय पर अंतरिक्ष यान भेजे गये है। उन यों में अंतरिक्ष यात्री (एस्ट्रोनाट्स) जाते है। उनमें बज एलड्रिन, नील आर्मस्ट्रांग, राकेशशर्मा, यूरी गागरिन, कल्पना चावला सुनिता विलियम्स आदि प्रमुख है।

आ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर 5 या 6 पंक्तियों में लिखिए।

1. मेहमान का अर्थ है अतिथि। अतिथि देवो भव, अतिथि हमारे लिए गगवान की प्रतिमूर्ति के समान है। अतिथि का सत्कार भारतीय संप्रदाय का जन्मसिद्ध गुण है। ऐसे अतिथि की भलाई या अतिथि को खुश रखने अपनी हानिकी परवाह भी नहीं करते है। अतिथि सत्कार को ही परम धर्म मानकर जी जान से उसकी सेवा में जुड या निमग्न हो जाते हैं।

या

मानव जीवन में कोई भी काम असंभव नहीं है। मन लगाकर प्रयत्न करने से हर काम संभव होता है। मन में श्रद्धा रखकर काम की सफलता पर विश्वास रखते, भगवान पर भरोसा रखकर, संदेह या संशय छोड़कर एकाग्र चित्त होकर काम करते रहने से ज़रूर सफलता मिल सकती है। इस तरह हमें श्रद्धा, विश्वास, कडी मेहनत, शक्ति से युक्त प्रयत्नों से सफलता ज़रूर मिल सकती है।

2. युधिष्ठिर महान चिरत्रवान और रील संपन्न व्यक्ति था। धर्म परायण होने के कारण उसने यक्ष के कहने पर नकुल को जीवित करवाना चाहा। अगर उसकी जगह मै होता तो पराक्रमी साहसी, धनुर्विद्या प्रवीण अर्जुन को जीवित करवानाचाहता। क्योंकि

अर्जुन महान गुणोंवाला और तेज संपन्न था। अनेक देवों की कृपा से 92 और अस्त्र-शस्त्र प्राप्त किया हुआ महान व्यक्ति था। अपने पराक्रम से किसी भी तरह वह तीनों भाईयों को जीवित कर सकता है।

या

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र पर कदम रखने वाली पहली भारतीय महिला सुनीता विलियम्स हैं। वह अपने महान प्रयत्नों के फलस्वरूप सफल अंतरिक्षयाती बन सकी। श्रद्धा और लगन से उसने यह ख्याति प्राप्त की। भावी नागरिकों को यह संदेश देती है - सौभाग्य से मेरा जन्म भारत में हुआ है। मैं एक साधारण पढ़ी-लिखी नारी हूँ। सभी सुशिक्षित हो कर आगे बढ़ें और देश का नाम उज्जवाल व उन्नत करें।

3. श्री सोहनलाल द्विवेदी जी का जीवनकाल 1962-1988 है। उनकी अमूल्य रचनाएँ हिंदी साहित्य में प्रसिद्ध हुई है। उनकी प्रमुख रचना 'सेवाग्रम' है। भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से विभूषित किया।

या

कबीरदास जी हिंदी साहित्य के निर्गुण धारा के ज्ञान मार्गीय शाखा के प्रमुख कवि थे। इनका जन्म 1398 को हुआ और उनकी मृत्यु 1528 में हुई। कबीर पढ़े लिखे नहीं थे। स्वामी रामानंद इनके गुरु थे। कबीर की रचनाएँ 'बीजक' नामक ग्रंथ में संकलित है।

इ) ग्रामीण जीवन के सौंदर्य

रूपरेखा :- प्रस्तावना, ग्रामीण सौंदर्य, ग्रामीण जीवन, उपसंहार

प्रस्तावना :- कहा जाता है कि गाँव को ईश्वर ने बनाया है और नगर को मनुष्य ने बनाया है। 'ग्राम' का तद्भव रूप 'गाँव' है। ग्राम का अर्थ होता है। 'समूह' याने कुछ घर-बार, नर नगरी और पशु-पक्षियों का समूह। गाँव भारत की रीढ़ है।

ग्रामीण सौंदर्य : गाँव प्रकृति की गोद है। गाँव में साँप की चाल जैसी टेढ़ी-मेढ़ी गलियाँ, कच्चे पक्के, पर साफ भले किसान सीधी-सादी औरते, बच्चे पालतू पशु-मुर्गी आदि दृश्य मनमोहक होते है। गाँव का जीवन सरल व सात्विक होता है।

उपसंहार : गांधीजी केअनुसार ''गाँवों में ही सेवा और परिश्रम के अवतार किसान बसते है। भारत का हृदय गाँवों में बसता है। गाँवों की उन्नति से ही भारत की उन्नति हो सकती है''। अतः ग्राम का पुनरुद्धार कर ग्रामीण जीवन को स्वर्गतुल्य बनाना हमारा प्रथम कर्त्तव्य है।

या

फूलों से नित हँसना सीखो
भौरों से नित गाना
    तरू की झुकी डालियों से सीखो
    कोमल भाव बहाना

ई) तीन दिन की छुट्टी पत्र :-

दिनांक : 14
हैदराबाद।

सेवा में,
प्रधानाध्यापक जी,
दसवीं कक्षा,
नालंदाहाईस्कूल,
हैदराबाद।

महोदय,

मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि मेरे बड़े भाई की शादी अगले सोमवार विजयवाड़ा में होनेवाली है। मुझे वहाँ जाना है और माँ बाप की सहायता करनी है। इसलिए शादी में सम्मिलित होने के कारण मैं विद्यालय आनेमें असमर्थ हूँ इसलिए मुझे 20.05.2014 से 23.05.2014 तक तीन दिन की छुट्टी देने की कृपा करें। आशा करता हूँ कि छुट्टी अवश्य मंजूर करेंगे।

सधन्यवाद

आपका आज्ञाकारी छात्र
x x x x

पता :-
प्रधानाध्यापक जी,
नालंदा हाईस्कूल
हैदराबाद

या

मित्र को पत्र

दिनांक : 14
हैदराबाद।

प्रिय मित्र,

मैं यहाँ कुशल हूँ। आशा करता हूँ कि तुम भी वहाँ कुशल हो। अगले हफ्ते से हमारी पोंगल की छुट्टियाँ शुरु हो जायेंगी। मैं इस पत्र के द्वारा मुख्य रूप से तुम्हें आमंत्रित कर रहा हूँ। हमारे यहाँ पोंगल का उत्सव बड़े धूम-धाम से मनाया जाता है। यहाँ विशेष मेला और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। यही नहीं हमारे देखने लायक अनेक स्थान है। इसलिए तुम जरूर आना।

तुम्हारे माता-पिता को मेरा प्रणाम। तुम्हारे आने की प्रतीक्षा करता हूँ।

आपका आज्ञाकारी छात्र
x x x x

पता :-
ए रामाराव, दसवीं कक्षा
नालंदा हाईस्कूल, हैदराबाद। हैदराबाद

III. व्याकरणांश

अ)

1. इ) अहिंसा
2. अ) कहानियाँ
3. आ) मान
4. ई) दुख - दुख
5. अ) गगन
6. आ) इक
7. ई) वयः + वृद्ध
8. अ) घनिष्ठ संबंध होना
9. आ) संज्ञा
10. अ) जन्म
11. आ) बूढ़ापा
12. इ) और
13. अ) के
14. आ) करती
15. अ) वाह!
16. इ) फुटबाल कैसा खेल है?
17. आ) से
18. आ) हम सब मेले में नहीं जायेंगें।
19. इ) उपासक
20. अ) मत

सारांशात्मक मूल्यांकन - I

नमूना प्रश्न - पत्र

विषय : हिंदी दूवितीय भाषा **अंक : 80**

कक्षा : दसवीं **समय : 3 घंटे**

I. अ) नीचे दिए गए गदूयांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5 x 1 = 5

कई साल पहले की बात है। एक राज्य था। जिसका नाम हरितनगर था। हरितनगर का राजा कुमार वर्मा था। वह अच्छा शासक था। कुमान वर्मा के शासन काल में राज्य हरा-भरा रहता था। लेकिन एक समय ऐसा आया, राज्य मेंसारी फसलें सूख गयी। तालाब, गड्ढ़े सूख गये। केवल दो ही जीव नदियाँ बची थी। जो छोटी-छोटी नहरें बनकर रह गयीं।

1. हरितनगर राज्य के राजा कौन थे?
2. हरित नगर राज्य कैसा था?
3. राज्य में क्या सूख गया?
4. कितनी जीव नदियाँ बची हुई थी?
5. इस गदूयांश में आए पुनरूक्ति शब्द पहचानिए?

आ) नीचे दिए गए गदूयांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

कन्नौज का राजा हर्षवर्धन कट्टर बौद्ध था। उनका महायान संप्रदाय अनेक रूपों में हिंदूवाद से मिलता - जुलता था। उन्होंने बौद्ध और हिंदू दोनों धर्मों को बढ़ावा दिया। हर्षवर्धन कवि और नाटककार थे। कन्नौज की राजधानी उज्जायिनी को सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रसिद्ध केंद्र बनाया था। इनकी मृत्यु 648 ई.में. हुई थी।

1. कन्नौज के राजा कौन थे?
2. महायान संप्रदाय किससे मिलता-जुलता था?
3. हर्षवर्धन ने किन धर्मों को बढ़ावा दिया?
4. सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रसिद्ध केंद्र कौनसा था?
5. हर्षवर्धन की मृत्यु कब हुई?

इ) नीचे दिए गए पदूयांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर चुनकर कोष्ठक में लिखिए।

कदम-कदम बढाए जा, सफलता तू पायेजा,
ये भाग्य है तुम्हारा, तू कर्म से बनायेजा
निगाहें रखो लक्ष्य पर, कठिन नहीं ये सफर,
ये जन्म है तुम्हारा तू सार्थक बनाये जा

1. कवि के अनुसार बिना रूके आगे बढ़ते जाने से क्या प्राप्त हो सकती है?

   अ) सफलता आ) विमुखता इ) इठलता ई) विफलता

2. भाग्य किससे बनाया जा सकता है?

   अ) कर्म आ) काम इ) पाप ई) पुण्य

3. हमारी पूरी दृष्टि .... पर केंद्रित होती है।

   अ) मोक्ष्य आ) लक्ष्य इ) केंद्रित ई) इनमें से कुछ भी नहीं

4. 'कठिन' शब्द का विलोम लिखिए।

   अ) कठिन आ) सरल इ) काठिन्य ई) ये सभी

5. ये जन्म है तुम्हारा तू .... बनाये जा

   अ) सार्थक आ) निरर्थक इ) साक्षर ई) निरक्षर

ई) निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर सही उत्तर दीजिए -

हम दीवानों की क्या हस्ती, है आज यहाँ, कल यहाँ चले,
मस्ती का आलम साथ चला, हम धूल उडाते जहाँ चले

1. हस्ती शब्द का अर्थ क्या है?

   अ) अस्तित्व आ) हस्तीत्व इ) ईस्तित्व ई) इनमेंसे कुछ भी नहीं

2. .... का आलाम साथ चला?

   अ) मेहनत आ) मस्ती इ) महान ई) महानता

3. मस्ती शब्द का अर्थ क्या है?

   अ) आनंद आ) उल्लास इ) उन्माद ई) प्रेम

4. हम .... उडाते जहाँ चले

   अ) धूल आ) धूम इ) धूप ई) धीर

5. आज का विलोम शब्द लिखो

   अ) काम आ) कल इ) कर ई) काज

II. अभिव्यक्ति सृजनात्मकता 4 x 3 = 12

अ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर 2 **या** 3 **पंक्तियों में लिखिए।**

1. रैदास व मीरा की भक्ति भावना में क्या अंतर है? स्पष्ट कीजिए।
2. प्रकृति की कौन-कौन सी चीज़ मन को छू लेती हैं?
3. जूही का कौनसा कथन तुम्हें अच्छा लगा?क्यों?

4. ''हामिद के अंदर प्रकाश है, बाहर आशा की किरण' ऐसा लेखक ने क्यों कहा होगा?

आ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर 5 या 6 पंक्तियों में लिखिए। 3 x 6 = 18

1. कवि ने मज़दूरों के अधिकारों का वर्णन कैसे किया है? अपने शब्दों में लिखिए।

   या

   हमारे जीवन में भक्ति भावना का क्या महत्व है? चर्चा कीजिए।

2. वीरांगना लक्ष्मीबाई देशभक्ति की एक अद्‌भुत मिसाल थी - स्पष्ट कीजिए।

   या

   गोदावरी नदी का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

3. सुमित्रानंदन पंत का साहित्यिक परिचय दीदिए।

   या

   ''विष्णु प्रभाकर'' का साहित्यिक परिचय दीजिए।

इ) नीचे दिए गए प्रश्नों में से एक का उत्तर दीजिए। 1 x 5 = 5

1. आज दुनिया के सभी देशों में जल की समस्या बनी हुई है। इसके समाधान में हम सब की क्या जिम्मेदारी है?
2. भक्ति भावना से संबंधित छोटी सी कविता का सृजन कीजिए।

ई) नीचे दिए गए प्रश्नों में से एक का उत्तर दीजिए। 1 x 5 = 5

1. किसी रोचक घटना का वर्णन करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।
2. आवश्यक पुस्तकों के लिए किसी पुस्तक विक्रेता के नाम पर पत्र लिखिए।

III. व्याकरणांश

अ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से पहचानिए। 20 x 1 = 20

1. प्रगति इसमें उपसर्ग पहचानिए।

   अ) प्र आ) प्रग इ) गति ई) ती

2. ''प्रसन्नता'' शब्द का पर्याय लिखिए।

   अ) संतोष, हर्ष आ) मोद, मोहक

   इ) संतोष, संपर्क ई) हर्ष, पय

3. ''आंखो का तारा'' मुहावरे का अर्थ?

   अ) अतिरिक्त आ) अत्यंत

   इ) अतिप्रिय ई) अन्य

4. ''घृणा'' शब्द का विलोम लिखिए।

   अ) प्रेम आ) द्‌वेस इ) शांत ई) अमर

5. ''सर्वोत्तम'' शब्द का संधि विच्छेद कीजिए।

अ) सर्वो + तम आ) सव + उत्तम

इ) सर्व + उत्तम ई) स्व + उत्तम

6. 'मानवता'' इसमें प्रत्यय पहचानिए।

अ) वता आ) मा इ) नवता ई) ता

7. ''जगन्नाथ'' शब्द का संधि विच्छेद कीजिए।

अ) जग + नाथ आ) जगन + अनाथ

इ) जगत् + नाथ ई) जग + अनाथ

8. हमारे यहाँ जल होता .... हम पृथ्वी पर न आते।

अ) तो आ) तुम इ) न ई) नही

9. यह तो कोई यान है (भूत काल में बदलकर लिखिए।)

अ) यह तो कोई यान होगा आ) यह तो कोई यान था

इ) यह तो कोई यान हुआ होगा ई) इनमें कुछ भी नहीं

10. देश को एकता ....सूत्र में बांधने के लिए भाषा की आवश्यकता हुई

अ) के आ) मं इ) से ई) पर

11. ''बैर'' शब्द का अर्थ क्या है?

अ) मित्र आ) मित्रता इ) शत्रु ई) शत्रुता

12. सफलता शब्द का विलोम लिखिए।

अ) विफलता आ) विमुखता इ) असफलता ई) इनमें से कुछ नहीं

13. राजू पुस्तक .... है।

अ) पढ़ेगा आ) पढ़ता इ) पढ़ायेगा ई) पढ़वायेगा

14. मीत, रीत मित्र दोस्त बेमेल शब्द पहचानिए।

अ) मीत आ) रीत इ) मित्र ई) दोस्त

15. लोकगीत, लोकतंत्र (इस तरह के 'लोक' शब्द बने दो शब्द लिखिए।)

अ) लोकगीत, लोकेंद्र आ) लोककथा, लोकनृत्य

इ) लोकतंत्र, लोकगीत ई) इनमें से कुछ भी नहीं

16. ''भाग्यवान'' में प्रत्यय पहचानिए।

अ) वान आ) भा इ) न ई) ग्य

17. अध्यापक के द्वारा कविता पढ़ाई .... है।

अ) होता आ) जा रही होगी

इ) होती ई) जाती

18. ''सौ वर्षों का समय'' .... इस वाक्यांश के लिए एक शब्द का उपयोग कर सकते हैं? वह क्या है ( )

अ) दशाब्दी आ) शताब्दी

इ) शतक ई) यह सभी

19. .... स्त्रियाँ ढ़ोलक की मदद से गाती है? (रिक्त स्थान में सही शब्द से प्रश्नवाचक में बदलिए।)

अ) क्या आ) कौन इ) कैसा ई) किस

20. ''भारतवासी'' समास विग्रह कीजिए।

अ) भारत को वासी आ) भारत और वासी

इ) भारतवासी ई) भारत के वासी

सारांशात्मक मूल्यांकन - I
नमूना उत्तर पुस्तिका

विषय : हिंदी द्‌वितीय भाषा — **अंक : 80**

कक्षा : दसवीं — **समय : 3 घंटे**

I. **अ)**
1. हरितनगर राज्य के राजा कुमार वर्मा थे।
2. हरित नगर राज्य हरा-भरा रहता था।
3. राज्य में फसलें सूख गयी।
4. केवल दो ही जीव नदियाँ बची हुई थी।
5. छोटी-छोटी

आ)
1. कन्नौज के राजा हर्षवर्धन थे।
2. महायान संप्रदाय अनेक रूपों में हिंदूवाद से मिलता-जुलता था।
3. हर्षवर्धन ने बौद्‌ध और हिंदू दोनों धर्मों को बढ़ावा दिया।
4. कन्नौज की राजधानी उज्जयिनी को सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रसिद्‌ध केंद्र बनाया था।
5. हर्षवर्धन की मृत्यु 648 ई.में हुई थी।

इ)
1. अ) सफलता
2. अ) कर्म
3. आ) लक्ष्य
4. आ) सरल
5. अ) सार्थक

ई)
1. अ) अस्तित्व
2. आ) मस्ती
3. अ) आनंद
4. अ) धूल
5. आ) कल

II. **अभिव्यक्ति सृजनात्मकता**

अ) 1. रैदास की भक्ति भावना निर्गुण है। इनका भगवान निराकार निर्गुण ब्रह्म हैं। इन्होंने भगवान की तुलना अनेक रूपों में की जबकि मीराबाई की भक्ति भावना सगुण हैं।

इनकी माधुर्य की भक्ति है। इनके भगवान श्रीकृष्ण हैं। इन्होंने राम का कृष्णका अभेद बताया।

2. सावन के बरसनेवाले बादल, बारीश की बूँदे, चकाचौंध करने वाली बिजली, रिमझिम बरसनेवाली बूँदे बहती जल-धाराएँ आदि चीजें मन को छू लेती हैं।
3. ''हाँ, मैं उनको अपना स्वामी मानती हूँ। और मानती रहूँगी। लेकिन उनसे भी अधिक मैं महारानी को अपना स्वामी मानती हूँ और महारानी से भी बढ़कर मैं अपने देश को अपना स्वामी मानती हूँ देश के लिए मैं सरदार को भी ठुकरा सकती हूँ, ठुकरा चुकी हूँ। जूही का कथन मुझे इसलिए अच्छा लगा क्योंकि वह देश की रक्षा के लिए अपने एक एक प्रिय व्यक्ति को भी छोड़ना चाहती है इसलिए देश की रक्षा में अपना स्वामी सरदार को भी ठुकराना चाहती है।
4. हामिद को उम्मीद है कि उसके अब्बाजान रूपये कमाकर लाएँगे। अम्मीजी न बहुत सी अच्छी चीजें लाएँगी। उसके दिल में पूरा विश्वास है, यही प्रकाश पुँज है। उसके भीतर से विश्वास रूपी प्रकाश-पुँजसे बाहर आशा रूपी किरण फूट पड़ती है।

आ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर 5 या 6 पंक्तियों में लिखिए।

1. कवि कवितांश में भीष्म पितामह के माध्यम से कुरूक्षेत्र युद्ध से विचलित धर्मराज को समुचित उपदेश देते है। कहते है - हे धर्मराज! कुछ लोग पाप से कुछ लोग भाग्यवाद की आड़ में अनुचित तरीके से धनार्जन करते हैं। प्राकृतिक संपदा सबकी है, न कि मुट्टी भर लोगों की। मानव समाज का भाग्य परिश्रम भुजबल ही है। श्रमिक को सभी नर और सुर गौरव देते है। वही प्राकृतिक संपदा का सर्व प्रथम अधिकारी है। भाग्यवादी शोषक श्रमशक्ति का महत्व, संपत्ति पर श्रम जीवी का समान अधिकार सहज संपदा पर समान अधिकार आदि भी भीष्म के मुँह से कहलाते हैं।

या

हमारे जीवन में भक्ति का बड़ा महत्व है। तुलसीदास के अनुसार संतों की संगीत, भगवान की कथा में अनुराग, गुरूसेवा, भगवान का गुणगान, निष्काम कर्म, विश्व को ईश्वरमय समझना, दूसरों के अपगुणों पर दृष्टिपात नहीं करना और निष्कपट रहना सद्गुण देती है। वह संकल्प की दृढता देती है। वह सांति और आनंद देती है।

2. भारत के राज्यों के राजा विलासित में डूबे जाते हैं, लेकिन वीरंगना लक्ष्मीबाई स्वराज्य प्राप्ति के लिए जूझती है। वे कहते है - देशभक्तों की आवश्यकता है। नूपूरों की झंकार के स्थान पर तोपों का गर्जन होने दो। हमें स्वराज्य लेना है। हमें रणभूमि में मौत से जझूना है। सीधी युद्ध भूमि में जाते समय अंत में कहती है कि स्वराज्य प्राप्त करके रहेंगें या स्वराज्य की नींव के पत्थर बनेगें। वे सचमुच देशभक्ति एवं राष्ट्रप्रेम की अद्भुत मिसाल थी।

या

मैने कई नदियों के दर्शन किए। गोदावरी नदी के दर्शनार्थ उसका जन्मस्थान नासिक त्र्यंबक से निकल पड़ा। इसके दौरान रेल से, बस से, पैदल यात्रा करती पड़ी। नासिक चंबक में गोदावरी का नवजात शिशुरूप है। कालेश्वरम पहुँची तो उसका बाला रूप है। भद्राचलम में उसका कुमारी रूप है। राजमहेंद्री में नवयुवतीरूप है। उसका विराट रूप उसकी छटा का वर्णन कैसे कर सकते है। मैं एकटक देखता ही रहा। उसकी चाल अजगर की तरह और कहीं - कहीं कोडे सांप सी होती है। गोदावरी हमे उपदेश देती है। चैखति-चैखति चलते-रहना चलते रहना। चलते समय गिर जाय तो भी अच्छी तरह चलना सीख लेते है - और आगे विकसित होते है।

3. सुमित्रानंदन पंत प्रकृति के बेजोड़ कवि माने जाने बाले सुमित्रानंदन पंत का जन्म सन् 1900 अल्मोड़ा में हुआ। साहित्य लेखन के लिए इन्हें 'साहित्य अकादमी' 'सोवियत रूस और ज्ञानपीठ पुरस्कार' दिया गया इनकी प्रमुख रचनाएँ है - वीणा, ग्रंथि, पल्लव गुंजन, युगांत, ग्राम्या, स्वर्ण किरण, कला और बूढ़ा चाँद तथा चिदंबरा आदि। इनका निधन सन् 1977 में हुआ।

या

विष्णु प्रभाकर का जन्म सन् 1912 में हुआ। वे आदर्श प्रिय व्यक्ति थे। इन्हें प्रेमचंद परंपरा का आदर्शोन्मुख यथार्थवादी लेखक कहा जाता है। 'आवारा मसीहा' नामक रचना पर इन्हें 'सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। भारत सरकार ने इन्हें 'पदम-भूषण से सम्मानित किया है।

इ) 1. हमें पानी को बरबाद नहीं करना चाहिए। हमें जितना जरूरी है उतने का ही उपयोग करना चाहिए। जलाशयों में नहाना, पशुओं को धोना, कपडे धोना, कूड़ा करकट फेंकना आदि को मना करना है। उनमें कल कारखानों के कचरे का या रासयनिक पानी को प्रदूषित नहीं करना चाहिए। जल में विष मिलानेवाले असामाजिक तत्वों के प्रति सावधानी बरतनी चाहिए।

2. भक्ति भावना संबंधित कविताः

ऐ मालिक तेरे बंदे हम ऐसे हो हमारे करम
नेकी पर चले और बदी से टले ताके हंसते हुए निकले दम।

ई) नीचे दिए गए प्रश्नों में से एक का उत्तर दीजिए।

1.

दिनांक 14

हैदराबाद।

प्रिय मित्र,

मैं यहाँ कुशल हूँ। आशा करता हूँ कि तुम भी वहाँ कुशल हो। मैं एक रोचक घटना के बारे में लिख रहा हूँ। मैं एक छोटे बच्चे को नाले में से निकालकर उनके माँ-बाप को सौंप दिया। इस तरह मैंने एक छोटे बच्चे की जान बचायी। वह एक कागज़ की नाव निकालने नाले से प्रयास कर रहा था। तब अचानक वह उसमें गिर पड़ा। तब मैं उधर से जा रहा था। तुरंत उसे मैंने उठाकर बाहर लाया। तुम भी अपनी कोई रोचक घटना के बारे में लिखो।

माताजी एवं पिताजी को मेरा प्रणाम।

तुम्हारा प्रिय मित्र

xxxx

पता

xxxx

द न . 6-117

निवास,

हैदराबाद -59

2.

दिनांक 14

हैदराबाद।

प्रेषक

xxxx

दसवीं कक्षा,

सी.वी. निकेतन विद्यालय,

हैदराबाद।

सेवा में,

व्यवस्थापक जी

पुस्तक विक्रेता विभाग,

विद्या बुक डिपो,

हैदराबाद।

महोदय,

मुझे कुछ पुस्तकों की आवश्यकता है। इसलिए निम्नलिखित पुस्तकें ऊपर दिए गए पते पर वी.पी.पी. के जरिए भेजने की कृपा कीजिए। अग्रिम तौर पर पांच सौ रूपए भेज रहा हूँ। बाकी पैसे वी.पी.पी. के आते ही भेंज दूँगा।

1. सरल हिंदी व्याकरण, भाग - 1-5 प्रतियाँ
2. हिंदी तेलुगु कोस - 5 प्रतियाँ
3. हिंदी निबंध रचना भाग-1 - 3 प्रतियाँ
   भाग-2

आपका विश्वसनीय

XXXX

दसवीं कक्षा, क्रम संख्याः

पता

श्री व्यवस्थापक जी,

पुस्तक विक्रय विभाग

विद्या बुक डिपो

हैदराबाद

III. व्याकरणांश

अ)
1. अ) प्र
2. अ) संतोष, हष
3. इ) अतिप्रिय
4. अ) प्रेम
5. इ) सर्व + उत्तम
6. ई) ता
7. ई) जग + अनाथ
8. अ) तो
9. आ) यह तो कोई यान था
10. अ) के
11. ई) शत्रुता
12. इ) असफलता
13. आ) पढ़ता

14. आ) रीत
15. आ) लोककथा, लोकनृत्य
16. ‘अ) वान
17. ई) जाती
18. आ) शताब्दी
19. अ) क्या
20. ई) भारत के वासी

अंक प्रदान करने के - सूचक

दसवीं कक्षा की नवीन पुस्तकों के आधार पर नमूना प्रश्न पत्र तैयार किया गया है। इसमें किस प्रकार के प्रश्न दिए गए हैं? किस दक्षता के लिए कितने अंक निर्धारित किए गए हैं? उत्तरों का किन सूचकों के आधार पर मूल्यांकन किया जाना चाहिए? इसकी अध्यापक को स्पष्ट जानकारी होनी आवश्यक है। प्रश्न -पत्र के आधार पर उसका अवलोकन करें।

I. अर्थग्राह्यता - प्रतिक्रिया (20 अंक)

(अ) पठित गद्यांश देकर पाँच प्रश्न पूछना। 5 (अंक)
गद्यांश उपवाचक से ही लिया जायेगा।

(आ) अपठित गद्यांश देकर पाँच प्रश्न पूछना। 5 (अंक)
यह किसी भी साहित्यिक या सामाजिक अंश से लिया जाएगा।

(इ) पठित पद्यांश देकर पाँच प्रश्न पूछना। 5 (अंक)
यह पाठ्य पुस्तक से लिए जाएगा।

(ई) अपठित पद्यांश देकर पाँच प्रश्न पूछना। 5 (अंक)
यह किसी भी साहित्यिक अंश से लिया जाएगा।

II. अभिव्यक्ति - सृजनात्मकता (40 अंक)

(क) स्वरचना - (30 अंक)

(अ) लघु प्रश्न - 12 (अंक) (4x3 = 12)

इसके अंतर्गत चार प्रश्न दिए जाएगें। पाठ्य पुस्तक में दिए गए प्रश्नों को जैसे का तैसा न देकर उसी स्वभाव वाले अन्य प्रश्न दिए जाएँगे। एक-एक प्रश्न के लिए तीन अंक निर्धारित है।

- लघु प्रश्नों के उत्तर को अंक प्रदान करने के तरीके :-

- विषय वस्तु की समझ, वाक्य निर्माण का क्रम - 2 अंक
- वर्तनी की शुद्धता - 1 अंक

3 अंक

(आ) निबंधात्मक प्रश्न - 18 (अंक)

इसके अंतर्गत 6 प्रश्न दिए जाएँगे। दो प्रश्न गद्य भाग से दो प्रश्न पद्य भाग से तथा दो प्रश्न साहित्यकारों से संबंधित दिए जाएँगें। इसमें से तीन प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए छह अंक निर्धारित हैं।

♦ निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर को अंक प्रदान करने के तरीके :-

- विषय वस्तु की समझ, वम	- 2 अंक
- वाक्य निर्माण क्रम	- 2 अंक
- उचित शब्द का उपयोग	- 1 अंक
- शुद्ध वर्तनी	- 1 अंक
	6 अंक

(ख) सृजनात्मकता - (10 अंक)

पाठ्य पुस्तक में सृजनात्मक अभिव्यक्ति के अंतर्गत दिए गए प्रश्नों को न देकर उसी प्रकार के अन्य प्रश्न दिए जाएँगें। इसके अंतर्गत तीन प्रश्न दिए जाएँगे। एक प्रश्न पत्र एक निबंध तथा तीसरा अन्य विधा से संबंधित होगा। दो प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित है।

♦ सृजनात्मक प्रश्नों के उत्तर को अंक प्रदान करने के तरीके :-

1. वार्तालाप / संभाषण

- पात्रानुसार संवाद	- 3 अंक
- वाक्य निर्माण क्रम	- 1 अंक
- वर्तनी की शुद्धता	- 1 अंक
	4 अंक

2. लेखन (पत्र लेखन के नियम)

- स्थान, दिनांक, संबोधक, पता, हस्ताक्षर	- 2 अंक
- विषय की अनुकूलता	- 2 अंक
- वाक्य निर्माण, वर्तनी की शुद्धता	- 1 अंक
	5 अंक

3. गीत / कविता पाँच से आठ पंक्तियों में लिखना

	- विषय की अनुकूलता	- 2 अंक
	- उचित शब्द प्रयोग	- 2 अंक
	- वर्तनी की शुद्धता	- 1 अंक
		5 अंक

4. निबंध

	- प्रस्तावना या भूमिका	- 1 अंक
	- विषय विस्तार	- 2 अंक
	- उपसंहार	- 1 अंक
	- वाक्य निर्माण, वर्तनी की शुद्धता	- 1 अंक
		5 अंक

5. नारे / सूक्तियाँ

	- विषय की अनुकूलता	- 2 अंक
	- उचित शब्द चयन	- 1 अंक
	- वाक्य निर्माण	- 1 अंक
	- वर्तनी की शुद्धता	- 1 अंक
		5 अंक

6. साक्षात्कार	- व्यक्तिगत जानकारी प्राप्त करने के लिए पूछे जाने वाले प्रश्न	- 1 अंक
	- विषयगय प्रश्न	- 2 अंक
	- प्रश्नों का क्रम - अनुसंधान	- 1 अंक
	- वर्तनी की शुद्धता	- 1 अंक
		5 अंक

7. कथा/कहानी	- विषयारंभ/प्रभावोत्पादकता	- 1 अंक
	- घटनाक्रम	- 2 अंक
	- समापन	- 1 अंक
	- वाक्य निर्माण, वर्तनी की शुद्धता	- 1 अंक
		5 अंक
8. करपत्र	- शीर्षक	- 1 अंक
	- संदेश	- 2 अंक
	- विषय-आवश्यकता	- 1 अंक
	- वाक्य निर्माण, वर्तनी की शुद्धता	- 1 अंक
		5 अंक
9. कहानी आगे बढ़ाना	- अर्थपूर्ण तरीके से आगे बढ़ाने पर	- 2अंक
	- उपसंहार	- 2 अंक
	- वाक्य निर्माण, वर्तनी की शुद्धता	- 1 अंक
		5 अंक
10. घटना वर्णन	- आरंभ / प्रभावोत्पादकता	- 1 अंक
	- कथोपकथन	- 2 अंक
	- उपसंहार	- 1 अंक
	- वाक्य निर्माण, वर्तनी की शुद्धता	- 1 अंक
		5 अंक

III. भाषा की बात :- (20 अंक)

(अ) शब्द भंडार - (10 अंक)

पाठ्य पुस्तक में दिए गए शब्दों के पर्यायवाची, भिन्नार्थ, व्युत्पदार्थ, मुहावरे, वाक्य प्रयोग, तत्सम, तद्भव आदि में से किसी भी अंश से संबंधित 10 प्रश्न दिए जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित है।

(आ) व्याकरणांश - (10 अंक)

इसके अंतर्गत संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय, कारक, शब्द-भेद, वाक्य-नकारात्मक, संयुक्त, सरल, मिश्रवाक्य, आदि अंशों से संबंधित दस प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित है।